अपने काम की ज़िम्मेदारी लेना ही आत्म बल है

आज दिनांक 07–10–2019 को अग्रवाल महाविद्यालय के सभागार में एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री अरूण शर्मा, जैनिथ हस्पताल से पधारे । व्याख्यान का विषय **"स्वामी विवेकानन्द की प्रासंगिकता – मौलिक चिंतन, रूचि और लक्ष्य को पहचानें"** रहा । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी की सतत् प्रेरणा से वर्ष भर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु बौद्धिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा है उसी कडी में इस व्याख्यान का आयोजन किया गया । प्राचार्य महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि विवेकानन्द जी की विचारधारा एवं मूल्य हर युग में प्रासंगिक है और उन्होंने विश्व में भारत और हिंदुत्व का प्रतिनिधित्व किया । मुख्य वक्ता डॉ. अरूण शर्मा ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन परिचय, उनका भारत दर्शन, संस्कृति एवं शिक्षा में योगदान से विद्यार्थियों को परिचित करवाया । उन्होंने बताया कि अपने काम के प्रति वही व्यक्ति ज़िम्मेदारी ले सकता है जिसमें आत्मबल हो, संकल्प व निर्णय लेने की शक्ति हो । इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द, इतिहास विभाग से सुप्रिया ढ़ांडा उपस्थित रहीं । अंत में विद्यार्थियों ने जीवन व जीवन उद्देश्य से जुडे अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता न भली भांति समाधान प्रस्तु किया ।